(ङ) यदि नहीं, तो क्या सरकार भविष्य में उसका उपयोग करने का विचार रखती है ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) जी, हां। वायुदूत की जैसलमेर को विमान सेवा द्वारा जोड़ने की योजना है।

(ख) नागर विमानन विभाग के पास उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार राजस्थान में लगभग 30 हवाई पट्टियां/हवाई अड्डे हैं। इनमें से 7 अर्थात, बानर, बीकानेर, जैसलमेर, सलवास; जोधपुर सूरतगढ़ और उतरताई रक्षा प्राधिकरणों के हैं। जयपुर, कोटा और उदयपुर स्थित हवाई अड्डे नागर विमानन विभाग के हैं तथा ये सिविल हवाई परिवहन के लिए प्रयोग किये जा रहे हैं। बाकी साफ मौसम वाली बीस हवाई पट्टियां राजस्थान सरकार की हैं तथा ये अलवर, आबू रोड़, बंबई, बांसवाड़ा, भरतपुर, भावी, बूंदी, धोलपुर, फालना, ईसान्दा, जवई, झालवाड़, झुन-झुन, मालपुरा, मथारनिया, शियो, सावाईमाधोपुर, सिरोही, शाहपुर और तिलवाड़ा में स्थित है।

(ग) नागर विमानन विभाग के पास उपलब्ध अभिलेख के अनुसार सवजात में कोई हवाई-पट्टी नहीं है।

(घ) और (ङ) प्रश्न नहीं है।

इलाहाबाद में गंगा और यमुना को प्रदूषण से मुक्त करने संबंधी योजना

2681. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय:** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने गंगा यमुना नदियों और इलाहाबाद में उनके संगम को प्रदूषण से मुक्त रखने के लिये कोई योजना बनाई है ; और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ख) इस योजना के पहले चरण में इलाहाबाद को कितना रुपया मिलना था और अब तक कितना रुपया मिल चुका है ; और

(ग) वर्ष 1985–86 के लिये प्रदूषण-नियंत्रण हेतु केन्द्रीय सरकार द्वारा इलाहाबाद को कितना रुपया मिलना था और अब तक कितना रुपया मिल चुका है ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री वीर सेन) : (क) गंगा कार्रवाई योजना के प्रथम चरण में, इलाहाबाद को प्रथम श्रेणी शहरों में सम्मिलित किया गया है। इलाहाबाद में गोघाट में पम्पिंग स्टेशन के नवीनीकरण तथा इसकी क्षमता को बढ़ाने के लिये उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा लगभग 95 लाख रुपये की अनुमानित लागत से तैयार की योजना की जांच की जा रही है।

(ख) और (ग) इलाहाबाद के लिये सुलभ की जाने वाली धनराशि गंगा कार्रवाई योजना के संदर्भ में तैयार की गई तथा अनुमोदित विशिष्ट योजनाओं पर निर्भर करेगी।

कोयले से विद्युत का सीधे प्राप्त किया जाना

2682. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 26 मई, 1985 के 'हिन्दुस्तान टाइम्स' में "टुवर्डस टेपिंग पावर डाइरेक्टली फ्राम कोल" शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ; और

(ख) यदि हां, तो कुछ ही महीनों में 19 करोड़ रुपयों की लागत से दक्षिण भारत में स्थापित किये जाने वाली परियोजना के कार्य में अब तक कितनी प्रगति हुई है ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय और महासागर विकास, परमाणु, ऊर्जा, अंतरिक्ष और इलैक्ट्रानिकी विभागों में राज्य मंत्री (श्री शिवराज पाटिल) : (क) जी हां,।